

व्यावहारिक पालि व्याकरण डिप्लोमा प्रोग्राम
(Diploma Program in Applied Pali Grammar) – DPAPG

- कुल क्रेडिट: 32 (8 प्रश्नपत्र × 4 क्रेडिट)
 - अवधि: 1 वर्ष (दो सेमेस्टर)
 - प्रथम सेमेस्टर में 4 प्रश्नपत्र और द्वितीय सेमेस्टर में 4 प्रश्नपत्र = कुल 8 प्रश्नपत्र
 - Online
- यह पाठ्यक्रम 8 प्रश्नपत्रों (प्रत्येक 4 क्रेडिट) के साथ कुल 32 क्रेडिट का है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

"व्यावहारिक पालि व्याकरण डिप्लोमा प्रोग्राम" के उद्देश्य निम्नलिखित हैं, जो छात्रों को पालि शिक्षण के क्षेत्र में सैद्धांतिक और व्यावहारिक रूप से सक्षम बनाने के लिए तैयार किए गए हैं: -

व्यावहारिक दक्षता का विकास:

- छात्रों को पालि भाषा की व्याकरणिक संरचना, जैसे-सात विभक्तियों, कारकों, सर्वनाम, और क्रियापदों (वर्तमान, भूत, भविष्य काल) में ठोस और व्यावहारिक दक्षता प्रदान करना।
- भाषा के नियमों को सरल और प्रभावी ढंग से समझाना; ताकि छात्र इन्हें दैनिक जीवन और बौद्ध संदर्भों में आसानी से लागू कर सकें।
- पालि में पढ़ने, लिखने, और बोलने की मूलभूत और व्यावहारिक क्षमता विकसित करना।

दैनिक जीवन में अनुप्रयोग:

- दैनिक जीवन से प्रेरित शब्दावली (अभिवादन, परिवार, समय, आवश्यकताएँ) और वाक्य संरचना पर जोर देना।
- विभक्तियों और क्रियापदों का उपयोग कर सरल, व्यावहारिक वाक्य निर्माण की क्षमता प्रदान करना। जैसे घर, बाजार, और सामाजिक बातचीत में उपयोग।
- छात्रों को दैनिक परिस्थितियों में भाषा को आत्मविश्वास से बोलने के लिए तैयार करना।

बौद्ध ग्रंथों से जुड़ाव:

- त्रिपिटक (सुत्त, विनय, अभिधम्म) और अन्य पालि ग्रंथों, जैसे धम्मपद और मंगल सुत्त, को पढ़ने और समझने की क्षमता विकसित करना।
- ग्रंथों के सरल अंशों का अनुवाद और व्याख्या सिखाना, ताकि छात्र बौद्ध शिक्षाओं को दैनिक जीवन और नैतिकता से जोड़ सकें।
- बौद्ध दर्शन, नैतिक मूल्यों, और सांस्कृतिक महत्व को व्यावहारिक रूप से समझने का अवसर प्रदान करना।

संचार और व्यावहारिक अनुप्रयोग:

- पालि में व्यावहारिक लेखन (वाक्य, लघु निबंध) और संवाद (दैनिक बातचीत) की क्षमता विकसित करना।
- छात्रों को शिक्षण, शोध, और सांस्कृतिक संरक्षण में पालि के व्यावहारिक उपयोग के लिए तैयार करना।
- भाषा को समकालीन संदर्भों में लागू करने की योग्यता प्रदान करना, जैसे बौद्ध नैतिकता (मेत्ता, करुणा) का प्रचार और सामाजिक जागरूकता।

व्यावहारिक पालि व्याकरण डिप्लोमा प्रोग्राम

(Diploma Program in Applied Pali Grammar) - DPAPG

1 वर्ष (दो सेमेस्टर), पाठ्यक्रम संरचना (32 क्रेडिट, 8 प्रश्नपत्र, प्रत्येक प्रश्नपत्र 4 क्रेडिट) - Online

सेमेस्टर 1 (16 क्रेडिट)

पाठ्यक्रम संरचना (Detailed Course Structure)

प्रश्नपत्र-1

प्रारम्भिक पालि भाषा एवं ध्वनि-व्यवस्था

(Elementary Pali Language & Phonology)

सेमेस्टर	प्रश्नपत्र कोड	पाठ्यक्रम विवरण	क्रेडिट	यूनिट	घण्टे
सेमेस्टर - 1	DPAPG-01	पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course Objectives) : - पालि वर्णमाला एवं उच्चारण की स्पष्ट समझ विकसित करना । - मूल शब्दावली एवं सरल वाक्य निर्माण सिखाना । - ध्वनि-परिवर्तन एवं संधि का प्रारम्भिक ज्ञान देना । - पठन एवं उच्चारण कौशल विकसित करना । अधिगम परिणाम (Learning Outcomes) : - विद्यार्थी पालि वर्णों का शुद्ध उच्चारण कर सकेंगे । - सरल शब्दों एवं वाक्यों को पढ़ एवं लिख सकेंगे । - दैनिक जीवन के छोटे वाक्य बना सकेंगे । - सरल पाठ का उच्चारण सहित पठन कर सकेंगे ।			

	प्रश्नपत्र का नाम (Name of the Paper) : प्रारम्भिक पालि भाषा एवं ध्वनि-व्यवस्था (Elementary Pali Language & Phonology)			
	क्रेडिट-1 : वर्ण एवं उच्चारण 1.1 पालि वर्णमाला (स्वर, व्यंजन) 1.2 उच्चारण के नियम 1.3 दीर्घ-ह्रस्व भेद 1.4 निगृहीत (ं) का प्रयोग 1.5 रोमन एवं देवनागरी लिप्यन्तरण	1	1	16-20
	क्रेडिट-2 : शब्द एवं मूल संरचना 2.1 शब्द-परिचय (नाम, सर्वनाम, धातु) 2.2 लिंग (पुं., स्त्री., नपुं.) 2.3 वचन (एकवचन, बहुवचन) 2.4 दैनिकोपयोगी संज्ञापदों का परिचय 2.5 गृहोपयोगी शब्दावली	1	2	16-20
	क्रेडिट-3 : संधि एवं ध्वनि परिवर्तन 3.1 स्वर संधि 3.2 व्यंजन संधि 3.3 ध्वनि-लोप एवं वृद्धि 3.4 सामान्य रूप परिवर्तन 3.5 अभ्यास आधारित उदाहरण	1	3	16-20

		क्रेडिट-4 : उच्चारण एवं प्रयोग 4.1 सरल वाक्य निर्माण 4.2 अभिवादन एवं दैनिक संवाद 4.3 लघु पाठ 4.4 परित्त सुत्त (मंगलसुत्त) 4.5 सरल वाक्यों का अनुवाद (हिन्दी से पालि)	1	4	16-20
--	--	--	---	---	-------

Zom

Prof. Ramesh Prasad

Sampurnanand Sanskrit University

Varanasi - 221002

(Signature)

(Ram Nakshatra Prasad)

(Signature)

(Signature)

(Signature)

अध्यक्ष/Head of the Department
बौद्धदर्शन-पालि-विभाग
Dept. of Buddha Darshan & Pali
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Central Sanskrit University
लखनऊ परिसर/Lucknow Campus

प्रश्नपत्र-2
पालि शब्दरचना एवं विभक्ति प्रयोग
(Pali Morphology & Case Usage)

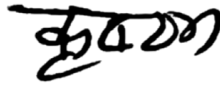
सेमेस्टर	प्रश्नपत्र कोड	पाठ्यक्रम विवरण	क्रेडिट	यूनिट	घण्टे
सेमेस्टर - 1	DPAPG-02	पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course Objectives) : - विभक्ति प्रणाली का व्यावहारिक ज्ञान देना । - संज्ञा एवं सर्वनाम के रूप सिखाना । - वाक्य में कारक प्रयोग स्पष्ट करना । - अनुवाद एवं वाक्य निर्माण कौशल विकसित करना ।			
		अधिगम परिणाम (Learning Outcomes) : - विद्यार्थी सातों विभक्तियों का प्रयोग कर सकेंगे । - संज्ञा एवं सर्वनाम रूपों का प्रयोग कर सकेंगे । - सरल वाक्यों का सही कारक-विन्यास कर सकेंगे । - पालि से हिन्दी एवं हिन्दी से पालि अनुवाद कर सकेंगे । - व्याकरणिक त्रुटियों की पहचान कर सकेंगे ।			
		प्रश्नपत्र का नाम (Name of the Paper) : पालि शब्दरचना एवं विभक्ति प्रयोग (Pali Morphology & Case Usage)			

		क्रेडिट-1 : संज्ञा रूप (Noun Forms) 1.1 पुल्लिंग शब्द (अकारन्त) 1.2 स्त्रीलिंग शब्द (आकारन्त) 1.3 नपुंसकलिंग शब्द (अकारन्त) 1.4 तीनों लिंगों के बहुवचन रूप 1.5 रूप-अभ्यास	1	1	16-20
		क्रेडिट-2 : विभक्ति प्रयोग (Cases) 2.1 पठमा-विभक्ति 2.2 दुतिया-विभक्ति 2.3 ततिया-विभक्ति 2.4 चतुर्थी-विभक्ति 2.5 पंचमी-विभक्ति 2.6 छट्ठी-विभक्ति 2.7 सत्तमी-विभक्ति 2.8 सम्बोधन पठमा-विभक्ति 2.9 कारक आधारित वाक्य	1	2	16-20

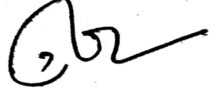
		क्रेडिट-3 : सर्वनाम (Pronouns) 3.1 पुरुषवाचक सर्वनाम 3.2 संकेतवाचक सर्वनाम 3.3 प्रश्नवाचक सर्वनाम 3.4 सर्वनाम रूप-अभ्यास 3.5 वाक्य प्रयोग	1	3	16-20
		क्रेडिट-4 : अनुप्रयोग एवं अभ्यास 4.1 वाक्य निर्माण (कारक सहित) 4.2 संवाद लेखन 4.3 अनुवाद अभ्यास 4.4 लघु अनुच्छेद लेखन	1	4	16-20


Prof. Ramesh Prasad
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi - 221002


(Ram Nakshatra Prasad)






अध्यक्ष/Head of the Department
बौद्धदर्शन-पालि-विभाग
Dept. of Buddha Darshan & Pali
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Central Sanskrit University
लखनऊ परिसर/Lucknow Campus

प्रश्नपत्र-3
पालि क्रियापद एवं काल-प्रयोग
(Pali Verbs & Tense Usage)

सेमेस्टर	प्रश्नपत्र कोड	पाठ्यक्रम विवरण	क्रेडिट	यूनिट	घण्टे
सेमेस्टर - 1	DPAPG-03	पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course Objectives) : - धातु एवं क्रियापद प्रणाली का ज्ञान देना । - विभिन्न कालों का प्रयोग सिखाना । - क्रिया आधारित वाक्य निर्माण करना । - व्यवहारिक भाषा प्रयोग में दक्षता बढ़ाना ।			
		अधिगम परिणाम (Learning Outcomes) : - विद्यार्थी धातु से क्रियापद बना सकेंगे । - वर्तमान, भूत एवं भविष्य काल का प्रयोग कर सकेंगे । - क्रिया-संबंधित वाक्य बना सकेंगे । - सरल पाठ का क्रियात्मक विश्लेषण कर सकेंगे । - संवाद में क्रियाओं का उचित प्रयोग कर सकेंगे ।			
		प्रश्नपत्र का नाम (Name of the Paper) :			

	पालि क्रियापद एवं काल-प्रयोग (Pali Verbs & Tense Usage)			
	क्रेडिट-1 : धातु एवं क्रिया परिचय 1.1 धातु की संकल्पना 1.2 धातु से क्रियारूप निर्माण 1.3 पुरुष एवं वचन 1.4 महत्त्वपूर्ण दैनिकोपयोगी धातुएँ 1.5 अभ्यास	1	1	16-20
	क्रेडिट-2 : वर्तमान काल 2.1 वर्तमान काल रूप 2.2 सरल परिच्छेद लेखन 2.3 नकारात्मक वाक्य 2.4 प्रश्नवाचक वाक्य 2.5 संवाद	1	2	16-20
	क्रेडिट-3 : भूतकाल 3.1 वर्तमान से भूतकाल प्रयोग 3.2 भूतकाल के व्यावहारिक सरल वाक्य 3.3 भूतकाल के क्रियापद	1	3	16-20

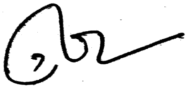
		3.4 भूतकालिक क्रियापद के विविध रूप 3.6 भूतकालिक कृदन्त 'वन्त' प्रयोग			
		क्रेडिट-4 : भूत एवं भविष्य काल 4.1 भूतकाल रूप 4.2 भविष्यकाल रूप 4.3 काल-परिवर्तन 4.4 मिश्रित वाक्य 4.5 अभ्यास	1	4	16-20


Prof. Ramesh Prasad
 Sampurnanand Sanskrit University
 Varanasi - 221002


 (Ram Nakshatra Prasad)






अध्यक्ष/Head of the Department
बौद्धदर्शन-पालि-विभाग
Dept. of Saiddha Darshan & Pali
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Central Sanskrit University
लखनऊ परिसर/Lucknow Campus

प्रश्नपत्र-4
सरल पालि वाक्यरचना एवं अनुप्रयोग
(Basic Pali Syntax & Application)

सेमेस्टर	प्रश्नपत्र कोड	पाठ्यक्रम विवरण	क्रेडिट	यूनिट	घण्टे
सेमेस्टर - 1	DPAPG-04	पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course Objectives) : - वाक्य संरचना का स्पष्ट ज्ञान देना । - सरल से जटिल वाक्य निर्माण सिखाना । - पठन, लेखन एवं संवाद कौशल विकसित करना । - बौद्ध ग्रंथों से प्रारम्भिक जुड़ाव कराना ।			
		अधिगम परिणाम (Learning Outcomes) : - विद्यार्थी सही वाक्य संरचना बना सकेंगे । - सरल पाठ का अर्थ समझ सकेंगे । - दैनिक संवाद कर सकेंगे । - छोटे अनुच्छेद लिख सकेंगे । - ग्रंथों के सरल अंशों का अनुवाद कर सकेंगे ।			
		प्रश्नपत्र का नाम (Name of the Paper) :			

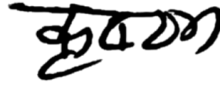
	सरल पालि वाक्यरचना एवं अनुप्रयोग (Basic Pali Syntax & Application)			
	क्रेडिट-1 : वाक्य संरचना 1.1 कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम 1.2 विशेषण एवं क्रिया विशेषण 1.3 सरल वाक्य निर्माण 1.4 संयुक्त वाक्य परिचय 1.5 अभ्यास	1	1	16-20
	क्रेडिट-2 : व्यावहारिक प्रयोग 2.1 दैनिक संवाद (विद्यालय, कार्यालय, बाजार) 2.2 प्रश्नोत्तर शैली 2.3 अभिव्यक्ति कौशल 2.4 कौशल विस्तार 2.5 शब्दावली विस्तार (विद्यालय, कार्यालय, बाजार)	1	2	16-20
	क्रेडिट-3 : उच्चारण एवं अनुवाद 3.1 सरल गद्यांश 3.2 सूरस्सती-नीति (10 चयनित गाथाएँ)	1	3	16-20

		3.3 पदविभाग, शब्दार्थ एवं व्याख्या 3.4 अनुवाद अभ्यास 3.5 उच्चारण कौशल			
		क्रेडिट-4 : लेखन एवं अभ्यास 4.1 संयुक्त अनुच्छेद लेखन 4.2 संवाद लेखन 4.3 लघुकथा लेखन 4.4 पुनरावृत्ति एवं अभ्यास 4.5 लघु निबन्ध लेखन (उप्यानं)	1	4	16-20

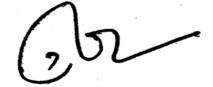
Zom

Prof. Ramesh Prasad
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi - 221002


(Ram Nakshatra Prasad)







अध्यक्ष/Head of the Department
बौद्धदर्शन-पाणि-विभाग
Dept. of Saiddha Darshan & Pali
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Central Sanskrit University
लखनऊ परिसर/Lucknow Campus

सेमेस्टर 2 (16 क्रेडिट)
पाठ्यक्रम संरचना (Detailed Course Structure)

प्रश्नपत्र-5
पालि कृदन्त, अव्यय एवं व्यावहारिक प्रयोग
(Pali Participles, Indeclinable & Applied Usage)

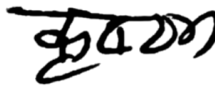
सेमेस्टर	प्रश्नपत्र कोड	पाठ्यक्रम विवरण	क्रेडिट	यूनिट	घण्टे
सेमेस्टर - 2	DPAPG-02	पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course Objectives) : - कृदन्त (Participles) का व्यावहारिक ज्ञान देना । - अव्ययों के प्रयोग को स्पष्ट करना । - वाक्य विस्तार एवं जटिल संरचना सिखाना । - पठन एवं अनुवाद कौशल विकसित करना ।			
		अधिगम परिणाम (Learning Outcomes) : - विद्यार्थी कृदन्त रूपों का प्रयोग कर सकेंगे । - अव्ययों का सही उपयोग कर सकेंगे । - जटिल वाक्य समझ एवं बना सकेंगे । - ग्रंथों में प्रयुक्त रूपों की पहचान कर सकेंगे । - अनुवाद में प्रवाह विकसित कर सकेंगे ।			

		प्रश्नपत्र का नाम (Name of the Paper) : पालि कृदन्त, अव्यय एवं व्यावहारिक प्रयोग (Pali Participles, Indeclinable & Applied Usage)			
		क्रेडिट-1 : कृदन्त (Participles) 1.1 वर्तमान कृदन्त (न्त/मान) 1.2 भूत कृदन्त (त) 1.3 कर्तव्यबोधक (तब्ब/अनीय) 1.4 कृदन्त रूप-अभ्यास 1.5 वाक्य प्रयोग	1	1	16-20
		क्रेडिट-2 : अव्यय (Indeclinable) 2.1 उपसर्ग एवं निपात 2.2 सम्बन्धबोधक अव्यय 2.3 काल एवं स्थानवाचक अव्यय 2.4 अव्यय आधारित वाक्य 2.5 अभ्यास	1	2	16-20

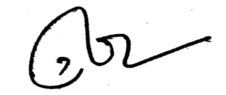
	क्रेडिट-3 : वाक्य विस्तार 3.1 कृदन्तयुक्त वाक्य 3.2 अव्यययुक्त संरचना 3.3 मिश्र वाक्य 3.4 लघुकथा लेखन 3.5 अभ्यास	1	3	16-20
	क्रेडिट-4 : अनुप्रयोग 4.1 अव्ययीभाव कृदन्त (त्वा) 4.2 गद्यांश अनुवाद 4.3 तुमन्त कृदन्त (तुं) 4.4 भूतकर्तृवाचक कृदन्त (वन्त) 4.5 अभ्यास-पत्र	1	4	16-20


Prof. Ramesh Prasad
 Sampurnanand Sanskrit University
 Varanasi - 221002


 (Ram Nakshatra Prasad)






 अध्यक्ष/Head of the Department
 बौद्धदर्शन-पालि-विभाग
 Dept. of Buddha Darshan & Pali
 केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
 Central Sanskrit University
 लखनऊ परिसर/Lucknow Campus

प्रश्नपत्र-6
पालि तद्धित, समास एवं शब्दविस्तार
(Pali Derivatives, Compounds & Lexical Expansion)

सेमेस्टर	प्रश्नपत्र कोड	पाठ्यक्रम विवरण	क्रेडिट	यूनिट	घण्टे
सेमेस्टर - 2	DPAPG-06	पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course Objectives) : - तद्धित एवं समास की संरचना सिखाना । - शब्द निर्माण प्रक्रिया स्पष्ट करना । - शब्दावली विस्तार करना । - ग्रंथ-पठन में सहायता प्रदान करना । अधिगम परिणाम (Learning Outcomes) : - विद्यार्थी तद्धित शब्द बना सकेंगे । - विभिन्न समासों की पहचान कर सकेंगे । - जटिल शब्दों का विश्लेषण कर सकेंगे । - पाठ में शब्द संरचना समझ सकेंगे । - अनुवाद में सटीकता ला सकेंगे । प्रश्नपत्र का नाम (Name of the Paper) : पालि तद्धित, समास एवं शब्दविस्तार (Pali Derivatives, Compounds & Lexical Expansion)			

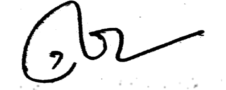
		क्रेडिट-1 : तद्धित (Derivatives) 1.1 तद्धित प्रत्यय परिचय 1.2 प्रमुख तद्धितः अर्थ एवं प्रयोग 1.3 सम्बन्धवाचक तद्धित 1.4 भाववाचक तद्धित 1.5 व्यवसायवाचक तद्धित	1	1	16-20
		क्रेडिट-2 : समास (Compounds) 2.1 अव्ययीभाव समास 2.2 तत्पुरुष समास 2.3 बहुव्रीहि समास 2.4 कर्मधारय समास 2.5 द्वन्द्व समास 2.6 दिगु समास 2.7 समास-विग्रह	1	2	16-20
		क्रेडिट-3 : शब्दविस्तार 3.1 सम्बन्ध विषयक शब्दावली 3.2 व्यवसाय सम्बन्धी शब्दावली 3.3 शरीर के अंग	1	3	16-20

		3.4 वाक्य प्रयोग 3.5 अभ्यास			
		क्रेडिट-4 : अनुप्रयोग 4.1 गद्यांश लेखन 4.2 मिलिन्दपञ्च से व्यवसाय सम्बन्धी गद्यांश 4.3 अनुवाद अभ्यास 4.4 आजीविका सम्बन्धी वाक्य 4.5 अभ्यास	1	4	16-20


Prof. Ramesh Prasad
 Sampurnanand Sanskrit University
 Varanasi - 221002


(Ram Nakshatra Prasad)




अध्यक्ष/Head of the Department
बौद्धदर्शन-पालि-विभाग
Dept. of Buddha Darshan & Pali
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Central Sanskrit University
लखनऊ परिसर/Lucknow Campus

प्रश्नपत्र-7
अनुज्ञा (अनुज्ञा) एवं विधि
(Permission (Anujña) & Optative Mood)

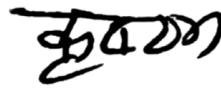
सेमेस्टर	प्रश्नपत्र कोड	पाठ्यक्रम विवरण	क्रेडिट	यूनिट	घण्टे
सेमेस्टर - 2	DPAPG-07	पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course Objectives) : - पालि में अनुमतिवाचक, आदेशात्मक और इच्छासूचक बनों (modal forms) की व्यावहारिक समझ विकसित करना । - अनुमति, अनुरोध, आदेश, सुझाव और निषेध के लिए उपयुक्त विधि-लिंग रूप सीखाना । - धार्मिक एवं दैनिक संदर्भों में अनुमति/आदेश/निषेध के उपयोग सिखाना । - अनुवाद, संवाद और प्रस्तुति द्वारा उपयोग-उन्मुख कौशल बढ़ाना । अधिगम परिणाम (Learning Outcomes) : - विद्यार्थी अनुमतिसूचक (permission), आदेशात्मक (imperative) तथा इच्छासूचक (optative/volitive) रूप पहचान और प्रयोग कर सकेंगे । - अनुमति-प्रदान/अनुरोध/आदेश/निषेध के लिये उपयुक्त लकारों को सही सन्दर्भ में उपयोग कर सकेंगे । - दैनिक एवं धार्मिक प्रसंगों में अनुमति लेना/देना और आदेश/निषेध व्यक्त कर सकेंगे । - ग्रंथीय विधि-निर्देशों का आधारभूत व्याकरणिक विश्लेषण कर सकेंगे । प्रश्नपत्र का नाम (Name of the Paper) : अनुज्ञा (अनुज्ञा) एवं विधि (Permission (Anujña) & Optative Mood)			

	क्रेडिट-1 : अनुज्ञा रूपों का परिचय 1.1 अनुज्ञा/अनुज्ञा — संकल्पना: प्रकार और उपयोग (अनुमति, अनुमति प्रदान, निषेध) 1.2 वाक्यरचना 1.3 अनुमति माँगना: विनम्र वाक्यरचना और औपचारिक/अनौपचारिक भेद 1.4 अभ्यास	1	1	16-20
	क्रेडिट-2 : अनुज्ञा — अनुप्रयोग और निषेध 2.1 निषेध/नकारात्मक आदेश तथा वैकल्पिक अभिव्यक्तियाँ 2.2 अनुमति के स्वरूप 2.3 धार्मिक संदर्भ में अनुज्ञा: विनय/सुत्त से चयनित उद्धरण 2.4 अनुवाद अभ्यास (पालि → हिन्दी; हिन्दी → पालि) 2.5 परित्त सुत्तों में प्रयोग	1	2	16-20

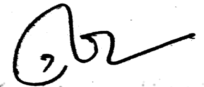
	क्रेडिट-3 : विधिलिङ्ग — रूपनिर्माण एवं व्याकरणिक सिद्धान्त 3.1 विधिलिङ्ग/Optative Volitive का परिचय: परिभाषा, श्रेणी और सन्दर्भ (wish, permission, desirative) 3.2 रूप निर्माण के नियम 3.3 भेद और पारस्परिक सम्बन्ध 3.4 वाक्य रचना और उदाहरण	1	3	16-20
	क्रेडिट-4 : विधिलिङ्ग का प्रयोग 4.1 विनम्रता एवं परामर्श में विधिलिङ्ग का प्रयोग 4.2 शर्तीय वाक्य 4.3 चरणबद्ध निर्देशों में विधिलिङ्ग का उपयोग 4.4 परित्त सुत्तों में प्रयोग 4.5 लघु अनुवाद परियोजना	1	4	16-20


Prof. Ramesh Prasad
 Sampurnanand Sanskrit University
 Varanasi - 221002


 (Ram Nakshatra Prasad)






 अध्यक्ष/Head of the Department
 बौद्धदर्शन-प्राप्ति-विकास
 Dept. of Saiddha Darshan & Pall
 केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
 Central Sanskrit University
 लखनऊ परिसर/Lucknow Campus

प्रश्नपत्र-8
संख्या एवं अव्ययों का अनुप्रयोग
(Application of Numerals and Indeclinables)

सेमेस्टर	प्रश्नपत्र कोड	पाठ्यक्रम विवरण	क्रेडिट	यूनिट	घण्टे
सेमेस्टर - 2	DPAPG-08	पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course Objectives) : - पालि संख्या-वाचक शब्दों (कार्डिनल, ऑर्डिनल, बहु-संख्या) का व्यावहारिक प्रयोग सिखाना । - अव्ययों (indeclinables) के वर्ग, अर्थ और वाक्य में प्रयोग स्पष्ट करना । - संख्या व अव्ययों का दैनिक जीवन, लेखा-जोखा, समय, माप और ग्रंथीय पाठ में प्रयोग करना । - अनुवाद, संवाद और लेखन द्वारा उपयोग-उन्मुख कौशल विकसित करना । अधिगम परिणाम (Learning Outcomes) : - विद्यार्थी संख्या-वाचक शब्दों को वाक्यों में सही रूप से प्रयोग कर सकेंगे । - अव्ययों की पहचान कर उनके अर्थ-अनुसार वाक्य बना सकेंगे । - समय, तिथि, मात्रा, मूल्य आदि के लिए संख्या-अव्यय युक्त वाक्य लिख व बोल सकेंगे । - ग्रंथीय पाठों में प्रयुक्त संख्या-अव्ययों का विश्लेषण कर सकेंगे । - पालि↔हिन्दी में संख्या-अव्यय आधारित पाठों का अनुवाद कर सकेंगे । प्रश्नपत्र का नाम (Name of the Paper) : संख्या एवं अव्ययों का अनुप्रयोग (Application of Numerals and Indeclinables)			

	क्रेडिट-1 : संख्या-वाचक शब्द (Numerals) 1.1 संख्याओं का परिचय 1.2 संख्या-रूपों का रूपनिर्माण (1-100) 1.3 संख्या विशेष रूप 1.4 दैनिक प्रयोग — समय, तिथि, मात्रा, मूल्य, आयु आदि 1.5 अभ्यास — संख्या-आधारित वाक्य, गणना, छोटे संवाद	1	1	16-20
	क्रेडिट-2 : अव्ययों का परिचय (Indeclinables) 2.1 अव्यय का वर्गीकरण और विशेषताएँ 2.2 काल, स्थान, दिशा, हेतु, सम्बन्धबोधक अव्यय 2.3 निपात, उपसर्ग, अनुकरण-शब्द और व्यंजना-सूचक अव्यय 2.4 अव्यय-आधारित वाक्य रचना 2.5 अभ्यास	1	2	16-20

	क्रेडिट-3 : संख्या और अव्यय का संयुक्त प्रयोग 3.1 संख्या-अव्यय मिश्रित वाक्य — समय, माप, मात्रा, मूल्य, दूरी 3.2 तुलनात्मक वाक्यों में संख्या-अव्यय का प्रयोग 3.3 पत्र, सूचना-पत्र, विज्ञापन आदि में प्रयोग 3.4 ग्रंथीय उदाहरण 3.5 अभ्यास — मिश्रित वाक्य, संवाद	1	3	16-20
	क्रेडिट-4 : अनुप्रयोग, अनुवाद एवं परियोजना 4.1 दैनिक जीवन के संदर्भ — बैंक, यात्रा, कार्यक्रम का समय-निर्धारण 4.2 परित्त, मंगल, धम्मपद आदि से चयनित अंशों का विश्लेषण 4.3 अनुवाद अभ्यास (पालि→हिन्दी; हिन्दी→पालि) 4.4 लघु परियोजना — पालि में समय-सारणी, सूचना-पत्र या पत्र-लेखन व प्रस्तुति	1	4	16-20

मूल्यांकन:

- लिखित परीक्षा (60%): सांस्कृतिक और आधुनिक उपयोग।
- असाइनमेंट (40%): हस्तलिखित प्रस्तुतीकरण।

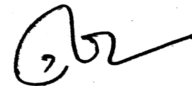
पाठ्यक्रम के परिणाम (Program Outcomes)

- छात्र पालि भाषा में दैनिक संवाद, लेखन, और पढ़ने में सक्षम होंगे; जिसमें 200-300 शब्दों की शब्दावली शामिल होगी।
- सरल और जटिल वाक्य बनाने की क्षमता; जिसमें विभक्ति, क्रिया, अव्यय, और विशेषण का सही उपयोग होगा।
- बौद्ध साहित्य और सांस्कृतिक संदर्भों में पालि के महत्व को समझने और उपयोग करने की क्षमता।
- संवाद, लेखन, और प्रस्तुति में आत्मविश्वास और प्रवाह।
- पत्र, संदेश, और सोशल मीडिया जैसे आधुनिक संदर्भों में पालि का उपयोग करने की योग्यता।
- स्वतंत्र रूप से नए वाक्य, संवाद, और छोटे लेख बनाने की क्षमता।


Prof. Ramesh Prasad
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi - 221002


(Ram Nakshatra Prasad) 




अध्यक्ष/Head of the Department
बौद्धदर्शन-पालि-विभाग
Dept. of Buddha Darshan & Pali
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Central Sanskrit University
लखनऊ परिसर/Lucknow Campus